इतिहासकारों का मत है कि संगीत की कर्ण प्रिय आवाज से मोनालिसा आनन्द विभोर होती रहती थी इसी से यह भाव उत्पन्न हुआ है।

इसी श्रृंखला में कुछ वर्षों पहले अमेरिकी वैज्ञानिक "जॉन **अरमस**" ने भी इस कलाकृति को अपना शोध–विषय बनाया जिसमें पैलेंटी की कुछ बातों पर विराम लग गया। "जॉन अरमस व उसके सहयोगियों ने इस कृति को हर पहलू से जाँचा परखा और आश्चर्यचकित करने वाले तथ्य पेश किये। असल में इस मुस्कुराहट का रहस्य जानने के लिये जिस कम्प्यूटर की मदद ली गई थी वह अत्यंत संवेदी और पहचान उजागर करने में पूर्ण दक्ष था उसकी रिपोर्ट के अनुसार इस तरह की मुस्कान केवल पूर्ण नग्न स्त्री ही दे सकती है। इस तथ्य की पकड़ के लिये फोर्निया विश्वविद्यालय के "**कार्ल पैट्रिक**" की शोध–रिपोर्ट से और भी मजबूती हो गयी। इसमें बताया गया है कि यह कलाकृति पहले पूर्ण नग्न थी बाद में उसे कपड़ें पहनाये गये हैं जैसा कि हम पहले भी बता चुके हैं। एक अन्य तथ्य के अनुसार कलाकार ने कलाकृति पर कृत्रिम गाऊन लगाकर भी देखे जिसे क्राफ्ट द्वारा तैयार किया गया था। बाद में भी उसी आधार पर इस दक्षता के साथ उसे पेंट कर दिया गया जिससे मूल नग्न आकृति छिप गई और शालीनता की मुस्कुराहट लिये मोनालिसा की कृति सामने आ गई।

शोधकर्ताओं की माने तो मोनालिसा की मुस्कुराहट का राज उसका गर्भवती होना भी हो सकता है या कुछ दिन पूर्व ही बच्चा जन्मा हो। कनाडा के वैज्ञानिकों ने लेजर इंफ्रारेडस्कैन के माध्यम से कृति का त्रिआयामी प्रतिबिंब तैयार किया और जालीदार वस्त्रों सहित पेंट की निचली परत के अध्ययन से जो विवरण प्राप्त हुये वे शोध–कर्ता के निष्कर्षों का समर्थन करते हैं।

इस अध्ययन से यह पता चला कि यह चित्र 500 वर्ष पुराना है। और अब भी अच्छी हालत में है। स्केन में आदमी के बाल से 10 गुना महीन रिजोल्यूशन का प्रयोग किया गया है। शोध–कर्ताओं के अनुसार गहरे रंग और वारनिश के साथ वास्तविक बालों का प्रयोग किया गया है।

फ्रांस के संग्रहालय शोध एवम् परावर्तन केन्द्र के "**बुनोमोहीन** के अनुसार इस प्रकार के जालीदार वस्त्र 16वीं शताब्दी से पूर्व ईटली में कुछ खास महिलायें जो गर्भवती हों या जिन्होंने तत्काल बच्चे को जन्म दिया हो वह पहना करती थी। मोनालिसा के विषय में और भी रहस्य हैं। कहीं इसे "फ्लोरेंटीन" नामक वैश्या भी कहा गया है। इसके विषय में यह भी कहा गया है कि यह फ्लोटेन्स के एक अफसर "फ्रैन्सेस्कों डी जेनोबी जियोकोन्डों की तीसरी पत्नी थी। किन्तु सौभाग्य से सभी अजीबों गरीब मान्यताओं पर पैलेंटी की खोज के बाद विराम लग गया क्योंकि पैलेंटी ने मोनालिसा के विवाह का प्रमाण–पत्र तथा पाँचों बच्चों के जन्म प्रमाण–पत्रों तथा पति फ्रैन्सेंस्कों द्वारा अपनी पत्नी मोनालिसा के नाम लिखे गये प्रेम पत्र को भी पेश किया किन्तु मोनालिसा की मृत्यु सम्बन्धी कोई भी दस्तावेज नहीं मिल सका। विश्व के लिये एक पहेली, अद्भुत प्रशंसा और आकर्षण का केन्द्र बन जाने से सन् 1911 में यह चित्र चोरी हो गया। फ्रांस सरकार ने जी तोड़ प्रयास किये। किन्तु वह इसे ढूंढ न सकी फिर 1913 में एक व्यक्ति फलोरेंस के एक व्यापारी के यहाँ पर यह चित्र और कुछ कला सामग्री बेचने आया, तब इस चित्र का पता चला।

सर विलियम ओरपेन का इस चित्र के विषय में कथन सत्य प्रतीत होता है, कि न केवल यह चित्र ल्योनार्डो की रेखांकन शक्ति का परिचय देता है। बल्कि नारी चरित्र की अद्भुत पकड़ को भी दर्शाता है। सर विलियम और प्रेम का आगे कथन है कि

Scanned with

यह चित्र न केवल मोनालिसा के रूप की अभिव्यक्ति मात्र है बल्कि नारी जगत की वह रहस्यमयी पहेली है जिसे आज तक सुलझाया न जा सका।

इटली के वैज्ञानिकों का यह कहना है कि वे लियोनार्डो दा विंसी की फेमस कृति मोनालिसा के रहस्य को सुलझाने के बेहद करीब हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने उस स्थान का पता लगा लिया है जहाँ मोनालिसा ने अंतिम सांसें ली थी। उस स्थान से उन्हें एक कंकाल मिला है जो निश्चित तौर पर विंसी की कृति मोनालिसा की मॉडल लीजा गेराडिंनी का है।

फलोरेंस (इटली) के पुरातत्वविदों को एक कॉन्वेंट के फर्श में दबा एक कंकाल मिला है जिसे वैज्ञानिक लीजा गेरार्डिनी का मान रहे हैं। उल्लेखनीय है कि लीजा गेरार्डिनी एक अमीर सिल्क व्यापारी फ्रांसिस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी थी। अधिकांश इतिहासकार इस बात पर एकमत है कि 'द मोनालिसा' में चित्रित महिला लीजा डेल गेरार्डिनी ही थी जो अपने पति की मौत के बाद नन बन गई थी। 63 वर्ष की उम्र में लीजा का निधन 15 जुलाई, 1542 को कॉन्वेंट ऑफ सेंट उर्सला में हुआ। मोनालिसा के रहस्य को सुलझाने जैसे मिशन को अंजाम देने के लिए इतिहासकार जुट गए थे। इस कॉवेंट से उन्हें एक ताबूत भी मिला था जिसके विषय में यह माना जा रहा है कि यह ताबूत चिरनिद्रा में लीन मोनालीसा की अंतिम शैया है। इस ताबूत को ढूंढना इतना भी आसान नहीं था क्योंकि यह इमारत की बेसमेंट के भी पांच फुट नीचे मिला है।

हालांकि अभी वैज्ञानिक इस कंकाल को लेकर पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं इसीलिए पहले हड्डियों के डीएनए की तुलना लीजा के दो बच्चों के अवशेषों से की जाएगी। अगर यह साबित हो गया कि यह लीजा का ही कंकाल है तो फॉरेंसिक विशेषज्ञ

उसका चेहरा तैयार कर यह पता लगाएंगे कि वह 500 साल पहले विंसी द्वारा तैयार चित्र में जो महिला है उससे मिलता है या नहीं।

वैज्ञानिकों द्वारा यह खोज मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान की सच्चाई जानने के लिए की जाएगी।

सन्दर्भ

1. दा आऊट लाइन ऑफ आर्ट, सर विलियम और पेन
2. इटालियन पेन्टिंग–राजेन्द्र वाजपेयी
3. दैनिक जागरण (समाचार पत्र) 28 दिसम्बर 2006 पृष्ठ–2
4. prabhatkhabar.com

Scanned with